चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	18.3.25		

दैनिक भास्कर

भास्कर खास

एचएयू के कृषि मेले में 40 प्रगतिशील किसानों को मिला सम्मान, इनमें 18 महिलाएं शामिल

खेती-किसानी में छा रहीं महिलाएं... किचन में आचार-मुरब्बा बनाने से लेकर खेतों में ट्रैक्टर तक चला रहीं छोरियां

यशपाल सिंह | हिसार

हरियाणा में महिलाएं अब खेती किसानी में भी छा रही हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मेला में सोमवार को मुख्य अतिथि वीसी प्रो. बीआर कॉम्बोज ने 40 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया है। इनमें 18 महिलाएं शामिल हैं।

इनमें कुछ महिलाएं ऐसी हैं, जो विपरीत परिस्थितियों में भी खेती को अपनाकर आगे बढ़ी हैं। सिरसा के ख्योंवाली की सावित्री अपने पीहर में रहकर प्राकृतिक खेती कर रही हैं। पंचकूला की रंजीत कौर ने अपना अचार मुरब्बे का कारोबार बढ़ाया और इसी से अपना घर चला रही हैं। करनाल के कुचपुरा की हीना ने बीते आठ साल से मार्केट से सब्जी नहीं खरीदी, वह अपने ही किचन गार्डन से सब्जियां उगा रही हैं। करनाल जिला के कुचपुरा की हीना देवी साल 2017 से अपने ही खाली प्लॉट में किचन गार्डनिंग करती हैं। उनके किचन गार्डन में धनिया, मेथी, पालक, ब्रोकली, बंद गोभी, फूल गोभी, प्याज, बैंगन, शिमला मिर्च, हरी मिर्च, नींबू आदि के पौधे लगे हैं। इसके अलावा सीजनल सब्जियां भी रहती हैं। यह सभी ऑर्गेनिक तरीके से उगाई जाती हैं। बीते आठ साल से किसी भी तरह की सब्जी उन्होंने मार्केट से नहीं खरीदी है। उनको देखकर गांव की अन्य महिलाओं ने भी अपने घरों में किचन गार्डन बनाए हैं। करनाल के एनडीआरआई से खाद व किचन गार्डनिंग की ट्रेनिंग भी गांव की महिलाओं ने ली है। हीना देवी बताती हैं कि सब्जियों में किसी तरह की स्प्रे या फर्टिलाइजर का इस्तेमाल नहीं होता।

रंजीत कौर कृषि विज्ञान केंद्र से ट्रेनिंग लेकर बूटिक चला रहीं

पंचकूला के सुभाष नगर में रहने वाली रंजीत कौर कृषि विज्ञान केंद्र से ट्रेनिंग लेकर अब अपना बूटिक चला रही हैं। साथ ही अचार व मुरब्बा भी बनाती हैं। उनके अचार-मुरब्बा की पंचकूला में डिमांड है। वे आम, आंवला, नींबू, मिर्च, मिक्स अचार के अलावा आंवला, सेब और आम के मुरब्बा तैयार करती हैं। उनके पति सुरेंद्रपाल भी उनका हाथ बंटाते हैं। उनके इसी कार्य से उनका घर खर्च भी चल रहा है। एचएयू कृषि मेला में उनको भी सम्मानित किया गया।

मेले में उद्यमी किसानों ने 23 स्टालें लगाईं

मेले में सरकारी, निजी कम्पनियों द्वारा 258 स्टालें लगाई गईं। उद्यमी किसानों ने भी 23 स्टालें लगाईं। प्रदर्शनी में कृषि क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के हल के लिए कृषक-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम भी रखा गया, जिसमें किसानों ने फसलों से संबंधित समस्याओं के हल विवि के वैज्ञानिकों से जाने।

'कृषि में युवाओं के लिए हैं अपार संभावनाएं'

कुलपति ने कहा कि कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। कृषि क्षेत्र में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, वर्मी कम्पोस्टिंग, सब्जी उत्पादन, बागवानी, चारा उत्पादन, साइनेज मेकिंग, नर्सरी, बीज उत्पादन का विवि से प्रशिक्षण लेकर युवा किसान स्वरोजगार स्थापित कर रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	18.3.25	1	1-3

सिटी एंकर एचएयू पौध विभाग की स्टॉल पर किसान उन्नत फसलें लेकर पहुंचे

कृषि मेले में 8 फीट की पालक, 5 फीट की लौकी

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के कृषि मेले में फसल प्रतियोगिता को लेकर सोमवार को पौध विभाग की स्टॉल पर प्रदेशभर से किसान अपनी-अपनी उन्नत फसलें लेकर पहुंचे। स्टॉल पर पहुंची आठ फीट की पालक, पांच फीट की लौकी, 14 किलोग्राम का कद्दू आकर्षण का केंद्र रहे। वहीं एक किलोग्राम के प्याज, आधा किलो के लहसून के अलावा गन्ना, बेर, अमरुद, किन्नू की वेरायटी शामिल रही। पौध रोग वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र यादव ने बताया कि कृषि मेला में किसानों द्वारा तैयार वेरायटी की प्रतियोगिताएं करवाई जाती हैं। पुरास्कार दिए जाएंगे।

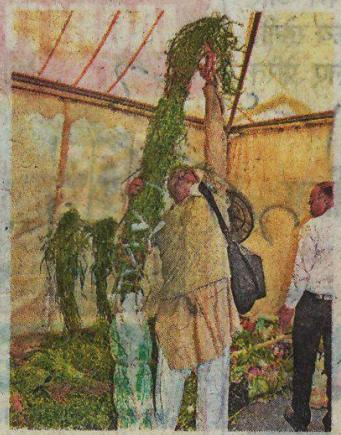

गांव चमारखेड़ा के किसान बीरेंद्र सिंह कृषि मेले में आठ फीट लंबी पालक को लेकर पहुंचे। पालक की देसी वेरायटी अपने खेत में ही तैयार की है। पत्ते आधा से पौना फुट तक लंबे हैं।

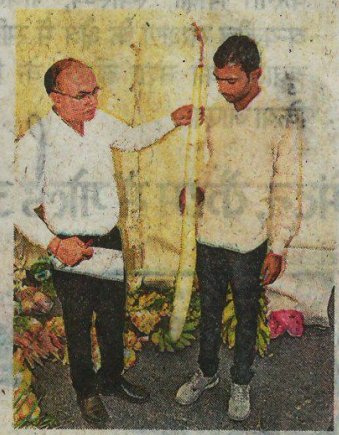

कृषि मेले में भूथनखुर्द के किसान रवि पूनिया पांच फीट की लौकी लेकर पहुंचे। रवि ने बताया कि लौकी खाने के लिए तीन फीट तक ठीक रहती है। इसके बाद इसका जूस बनाया जा सकता है।

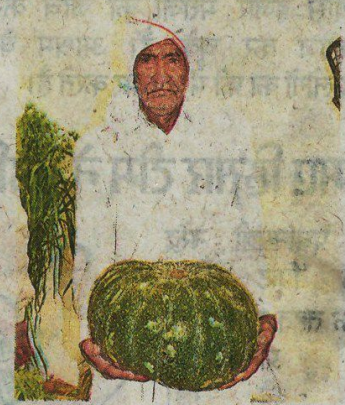

सोनीपत जिला के ककरोई गांव से किसान बलबीर सिंह 14 किलोग्राम वजनी कद्दू लेकर कृषि मेले में पहुंचे। कद्दू को गोबर की खाद दी गई और यह पूरी तरह से ऑर्गेनिक है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	18.3.25	4	1-4

कृषि मेले में उमड़े किसान, मिट्टी-पानी की करवाई जांच, उन्नत किस्मों के बीज खरीदे

एचएयू में कृषि मेले का आयोजन, 40 प्रगतिशील किसानों को किया सम्मानित, आज भी लगेगा

46 हजार के लगभग किसानों ने कृषि मेले में पहले दिन की शिरकत

35 लाख की कीमत के बीज और अन्य उत्पाद बिके कृषि मेले में

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। कृषि उद्यमिता, कृषि क्षेत्र में नया व्यवसाय शुरू करने की एक प्रक्रिया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में कृषि उद्यमिता कारगर सिद्ध हो सकती है। इसमें युवाओं के लिए अपार संभावनाएं हैं। किसान खेतीबाड़ी के साथ-साथ कृषि उद्यमिता को अपनाकर आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकते हैं।

ये बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सोमवार से शुरू हुए दो दिवसीय कृषि मेले (खरीफ) का शुभारंभ करते हुए बतौर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कही।

उन्होंने बताया कि कृषि क्षेत्र में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, वर्मी कम्पोस्टिंग, सब्जी उत्पादन, बागवानी, चारा उत्पादन, साइलेज मेकिंग, नर्सरी, बीज उत्पादन, मछली पालन एवं बेकरी में एचएयू से प्रशिक्षण लेकर युवा किसान स्वरोजगार स्थापित कर रहे हैं। इस वर्ष मेले का थीम 'कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा' रखा गया है। मेले में 40 प्रगतिशील किसानों को भी सम्मानित किया गया।

पहले दिन लगभग 46 हजार किसानों ने की शिरकत, 35 लाख के बीज व अन्य उत्पाद बिके : कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि ने कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। कृषि मेला खरीफ में पहले दिन हरियाणा व अन्य राज्यों से 46 हजार किसानों ने भाग लिया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने मेले में आए हुए सभी किसानों का स्वागत किया अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने मेले में आए हुए सभी का धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया।

मंच का संचालन डॉ. भूपेंद्र ने किया। कुलपति ने नए उन्नत बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी हासिल की।

मेले में किसानों ने खरीफ फसलों की उन्नत किस्मों के लगभग 31.26 लाख रुपये के बीज खरीदे। 25 हजार रुपये के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की 2.67 लाख रुपये की बिक्री हुई। मेले में 52,800 रुपये के टिशु कल्चर के पौधे बिके।

किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी व पानी के 200 नमूनों की जांच करवाई। मेले में लगभग 10 हजार रुपये के जैव उर्वरक की बिक्री हुई।

एचएयू में सोमवार को आयोजित कृषि मेले में सम्मानित किसान, कुलपति प्रो. बीआर कांबोज व अन्य। स्रोत : संस्थान

उद्यमी किसानों की स्टाल बनी आकर्षण का केंद्र

किसानों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किस्म के बीजों एवं कृषि उपकरणों की जानकारी देने एवं खरीद करने के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा 258 स्टालें लगाई गईं। मेले में उद्यमी किसानों द्वारा भी 23 स्टालें लगाई गई। कुलपति ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियां की स्टालों का अवलोकन किया। इसके अलावा उन्होंने तीन पुस्तकों का विमोचन करते हुए संबंधित विभागों के वैज्ञानिकों को बधाई दी। इस प्रदर्शनी में कृषि क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के हल के लिए कृषक-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम भी रखा गया, जिसमें कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों ने फसलों से संबंधित समस्याओं के हल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से जाने।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	18.3.25	12	2-6

कृषि उद्यमिता को अपनाकर आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर सकते हैं किसान : प्रो. काम्बोज

एचएयू में कृषि मेला शुरू, किसानों ने उन्नत किस्मों के 31 लाख से अधिक के बीज खरीदे

■ विवि में दो दिन चलेगा मेला
किसानों में उत्साह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा है कि कृषि उद्यमिता, कृषि क्षेत्र में नया व्यवसाय शुरू करने की एक प्रक्रिया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में कृषि उद्यमिता कारगर सिद्ध हो सकती है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। किसान खेतीबाड़ी के साथ-साथ कृषि उद्यमिता को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकते हैं। प्रो. बीआर काम्बोज सोमवार को एचएयू में शुरू हुए दो दिवसीय कृषि मेला के शुभारंभ अवसर पर संबोधन दे रहे थे। इस वर्ष मेले का थीम 'कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा' रखा गया है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, वर्मी कम्पोस्टिंग, सब्जी उत्पादन, बागवानी, चारा उत्पादन, साइलेज मेकिंग, नर्सरी, बीज उत्पादन, मछली पालन एवं बेकरी में हकृवि से प्रशिक्षण लेकर युवा किसान स्वरोजगार स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने अधिक मुनाफा कमाने के लिए किसानों से उन्नत खेती के तरीके अपनाने के साथ-साथ उत्पाद का प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन करने के अलावा सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिंग पर भी ध्यान देने का आह्वान किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों, उद्यमियों, किसानों तथा महिलाओं को कृषि संबंधी नए आइडिया पर स्टार्टअप के लिए 4 से 25 लाख रुपये तक की अनुदान राशि प्रदान करता है। हकृवि के एबिक द्वारा अब तक 250 इंक्यूबेटस को प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है। इसके तहत 65 बेस्ट इंक्यूबेटस को स्टार्टअप करने के लिए 8 करोड़ रुपये से अधिक की ग्रांट दे चुका है।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित : कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि ने कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। कृषि मेला खरीफ में पहले दिन हरियाणा व अन्य राज्यों से 46 हजार किसानों ने भाग लिया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने मेले में आए हुए सभी किसानों का स्वागत किया अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने मेले में आए हुए सभी का धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. भूपेन्द्र ने किया।

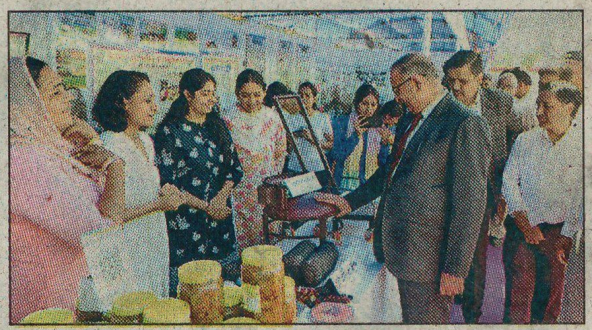

हिसार। प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

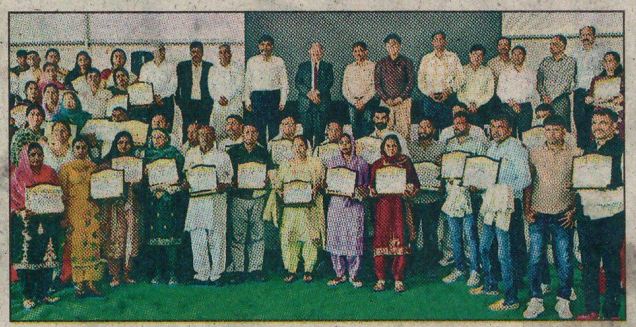

हिसार। प्रगतिशील किसानों के साथ कुलपति बीआर काम्बोज।

स्टाल बनी आकर्षण का केन्द्र

किसानों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किस्म के बीजों एवं कृषि उपकरणों की जानकारी देने एवं खरीद करने के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा 258 स्टालें लगाई गई। मेले में उद्यमी किसानों द्वारा भी 23 स्टालें लगाई गई। कुलपति ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियां की स्टालों का अवलोकन किया। इसके अलावा उन्होंने तीन पुस्तकों का विमोचन करते हुए संबंधित विभागों के वैज्ञानिकों को बधाई दी।

कृषि साहित्य की खूब हुई बिक्री

मेले में आगामी खरीफ फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने खरीफ फसलों की उन्नत किस्मों के लगभग 31 लाख 26 हजार के बीज खरीदे। मेले में 25 हजार रूपए के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की 2 लाख 67 हजार रूपए की बिक्री हुई। मेले में 52 हजार 800 रूपए के टिशु कल्चर के पौधे बिके। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी व पानी के 200 नमूनों की जांच करवाई। मेले में लगभग 10 हजार रूपए के जैव उर्वरक की बिक्री हुई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	18·3·25	4	1-3

हजारों किसानों ने मेले में जानी कई आधुनिक कृषि तकनीक

कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए उद्यमिता की अपार संभावनाएं : प्रो. काम्बोज

मेले में पहुंचे किसान व कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए।

हकृवि द्वारा आयोजित कृषि मेला का शुभारंभ

हिसार, 17 मार्च (राठी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) का शुभारंभ हुआ। इस मेले में हरियाणा के अलावा अन्य राज्यों से हजारों किसान पहुंचे। खास बात यह रही कि महिलाओं की भागेदारी भी मेले में काफी रही। छात्राओं ने भी कृषि संबंधी अनेक जानकारियां मेले में ली। वहीं किसानों ने आधुनिक कृषि तकनीक बारे जानकारी ली। मेले में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को आह्वान किया कि वे कृषि उत्पादन में बढ़ौतरी करने एवं कृषि लागत में कमी लाने के लिए आधुनिक कृषि तकनीकों का उपयोग करें। कृषि वैज्ञानिकों का मानना था कि किसान उन्नत किस्म के बीज, सूक्ष्म सिंचाई तथा नवीनतम कृषि उपकरणों का प्रयोग करके अपने उत्पादन में इजाफा कर सकते हैं। मृदा स्वास्थ्य सुधार के लिए मिट्टी की जांच पर आधारित पोषक तत्व डालना व ढैंचा की फसल को हरी खाद के रूप में लगाना तथा मृदा में जैविक खाद का इस्तेमाल व सिफारिश किए गए फसल चक्र को अपनाना जरूरी है।

इससे पहले विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि मेले का उद्घाटन किया। इस वर्ष मेले का थीम 'कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा' रखा गया है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि उद्यमिता, कृषि क्षेत्र में नया व्यवसाय शुरू करने की एक प्रक्रिया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में कृषि उद्यमिता कारगर सिद्ध हो सकती है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। किसान खेतीबाड़ी के साथ-साथ कृषि उद्यमिता को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकते हैं। कृषि क्षेत्र में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, वर्मी कम्पोस्टिंग, सब्जी उत्पादन, बागवानी, चारा उत्पादन, साइलेज मेकिंग, नर्सरी, बीज उत्पादन, मछली पालन एवं बेकरी में हकृवि से प्रशिक्षण लेकर युवा किसान स्वरोजगार स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने अधिक मुनाफा कमाने के लिए किसानों से उन्नत खेती के तरीके अपनाने के साथ-साथ उत्पाद का प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन करने के अलावा सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिंग पर भी ध्यान देने का आह्वान किया।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों, उद्यमियों, किसानों तथा महिलाओं को कृषि संबंधी नए आइडिया पर स्टार्टअप के लिए 4 से 25 लाख रुपए तक की अनुदान राशि प्रदान करता है। हकृवि के एंबिक द्वारा अब तक 250 इंक्यूबेटस को प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है। इसके तहत 65 बेस्ट इंक्यूबेटस को स्टार्टअप

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मेले में सम्मानित किए गए प्रगतिशील किसानों के साथ।

करने के लिए 8 करोड़ रुपए से अधिक की ग्रांट दे चुका है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर का मकसद युवाओं को उद्यमिता की तरफ आकर्षित करना है। उन्होंने बताया कि इस सेंटर के माध्यम से प्रशिक्षण एवं अनुदान प्राप्त करके युवाओं ने ना केवल स्वयं का रोजगार स्थापित किया है बल्कि अनेक बेरोजगारों को रोजगार भी उपलब्ध करवाया है। मुख्यातिथि ने कृषि मेला में महिलाओं की अधिक भागीदारी पर खुशी जताई। साथ ही कहा कि वर्तमान समय में कृषि क्षेत्र के अंदर महिलाओं की भूमिका दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। विश्वविद्यालय ने शिक्षा, शोध, विस्तार सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

उद्यमी किसानों की स्टाल बनी आकर्षण का केन्द्र, कुलपति ने किया अवलोकन

किसानों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किस्म के बीजों एवं कृषि उपकरणों की जानकारी देने एवं खरीद करने के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा 258 स्टालें लगाई गई। मेले में उद्यमी किसानों द्वारा भी 23 स्टालें लगाई गई। कुलपति ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों की स्टालों का अवलोकन किया। इसके अलावा उन्होंने तीन पुस्तकों का विमोचन किया। इस प्रदर्शनी में कृषि क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के हल के लिए कृषक-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम भी रखा गया, जिसमें कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों ने फसलों से संबंधित समस्याओं के हल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से जाने।

पहले दिन लगभग 46 हजार किसानों ने की शिरकत, 35 लाख के बीज व अन्य उत्पाद बिके

कृषि मेला खरीफ में पहले दिन हरियाणा व अन्य राज्यों से 46 हजार किसानों ने भाग लिया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने मेले में आए हुए सभी किसानों का स्वागत किया अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने मेले में आए हुए सभी का धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. भूपेन्द्र ने किया।

कुलपति ने नए उन्नत बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी हासिल की। किसानों ने खरीफ फसलों की उन्नत किस्मों के लगभग 31 लाख 26 हजार के बीज खरीदे। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की 2 लाख 67 हजार रुपए की बिक्री हुई। मेले में 52 हजार 800 रुपए के टिशु कल्चर के पौधे बिके। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिटटी व पानी के 200 नमूनों की जांच करवाई।

प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया

कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि ने कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले किसानों में करनाल के गांव कुचपुरा से हीना देवी, गांव कैमला से सतपाल सिंह, कैथल के गांव जसवंती से नीलम, गांव बाता से महेन्द्र सिंह, मंडकोला स्थित पलवल से कुमारी एकता, किशोरपुर से दुले राम, सदलपुर स्थित गांव खेड़ी बरखी निवासी सुमित्रा देवी, गांव प्रभुवाला से कार्तिक, सिरसा के गांव ख्यांवाली से सावित्री, गांव सुकेरा खेड़ा से आशीष मेहता, महेन्द्रगढ़ के गांव सुन्दरह से संतोष, गांव बेवल से करण सिंह, पंचकुला की सुभाष नगर कालोनी से रंजीत कौर, गांव दंदलावड़ से देवीसत, फरीदाबाद स्थित गांव बहादुरपुर से कविता, गांव घिरसी निवासी रमन यादव, रोहतक के गांव पहरावर से सुनीता, भाली आनन्दपुर निवासी नवीन कुमार शामिल है।

इसके अलावा जींद के गांव अहिरका से सुमित्रा देवी, गांव पिल्लूखेड़ा से विनोद, पानीपत के गांव बाघौली से सुमनबाला, गांव आसन खुर्द से जयपाल, रेवाड़ी के गांव सीहा से चमन यादव, गांव शाहपुर से राजेन्द्र सिंह, फतेहाबाद स्थित गांव ढींगसरा से ज्योति, गांव नंगल खंडरतिया से सतीश कुमार, यमुनानगर स्थित गांव चानुपरा से पूनम देवी, गांव लाहडपुर से ज्ञानचंद, अंबाला के मानव विहार से अनीता कुमारी, गांव नग्गल राजपुताना से सुरेन्द्र शर्मा, भिवानी के गांव जुई से सुनीता, ढाणी किशन लाल से बलवान, कुरूक्षेत्र के गांव दबखेड़ी से पिंकी, गांव सिरसला से गुरदीप सिंह, सोनीपत के गांव मंडौरा से पूनम रानी, गांव राजलूगढ़ी से उमेश कुमार, झज्जर के गांव बादली से नीलम, गांव माछरौली से सुरेन्द्र कुमार, नूह (मेवात) के गांव छपेड़ा से हरदम व गांव उजीणा से महेन्द्र सिंह को सम्मानित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	18.3.25	4	1-6

कृषि क्षेत्र में उद्यमिता की अपार संभावनाएं : काम्बोज

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खरीफ मेले का शुभारंभ, प्रत्येक जिले से दो-दो किसान हुए सम्मानित

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि मेले का उद्घाटन किया। इस वर्ष मेले का थीम 'कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा' रखा गया है। इस दौरान किसानों को भी सम्मानित किया गया।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि कृषि उद्यमिता, कृषि क्षेत्र में नया व्यवसाय शुरू करने की एक प्रक्रिया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में कृषि उद्यमिता कारगर सिद्ध हो सकती है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। किसान खेतीबाड़ी के साथ-साथ कृषि उद्यमिता को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकते हैं। कृषि क्षेत्र में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, वर्मी कम्पोस्टिंग, सब्जी उत्पादन, बागवानी, चारा उत्पादन, साइलेज मेकिंग, नर्सरी, बीज उत्पादन, मछली पालन एवं बेकरी में हकृवि से प्रशिक्षण लेकर युवा किसान स्वरोजगार स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने अधिक मुनाफा कमाने के लिए किसानों से उन्नत खेती के तरीके अपनाने के साथ-साथ उत्पाद का प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन करने के अलावा सर्विसिंग, पैकेजिंग व ब्रांडिंग पर भी ध्यान देने का आह्वान किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों, उद्यमियों, किसानों तथा महिलाओं को कृषि संबंधी नए आइडिया पर स्टार्टअप के लिए 4 से 25 लाख रुपए तक की अनुदान राशि प्रदान करता है। हकृवि के एथिक द्वारा अब तक 250 इंक्यूबेटस को प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है। इसके तहत 65 बेस्ट इंक्यूबेटस को स्टार्टअप करने के लिए 8 करोड़ रुपये से अधिक की ग्रांट दे चुका है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर का मकसद युवाओं को उद्यमिता की तरफ आकर्षित करना है। मृदा स्वास्थ्य सुधार के लिए मिट्टी की जांच पर आधारित पोषक तत्व डालना व ढैंचा की फसल को हरी खाद के रूप में लगाना तथा मृदा में जैविक खाद का इस्तेमाल व सिफारिश किए गए फसल चक्र को अपनाना जरूरी है।

किसान के ठाठ... चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय खरीफ कृषि मेला का आयोजन किया गया है, मेले में हजारों किसानों ने आकर कृषि यंत्रों को देखा। उपयोगी यंत्र के बारे में जानकारी जुटाई। मेले में लगे प्रगतिशील किसानों के कटआउट में दिखाई दे रहा किसानी का ठाठ • कुलतरन कक्कड़

हकृवि के कृषि मेले में प्रगतिशील किसानी को सम्मानित करते कुलपति प्रोफेसर बीआर काबोज • जागरण

कृषि स्टालें बनी आकर्षण का केंद्र, कुलपति ने किया अवलोकन

किसानों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किस्म के बीजों एवं कृषि उपकरणों की जानकारी देने एवं खरीद करने के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा 258 स्टाले लगाई गई। मेले में उद्यमी किसानों द्वारा भी 23 स्टाले लगाई गई। कुलपति ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों की स्टालों का अवलोकन किया।

पहले दिन 46 हजार किसानों ने की शिरकत :

कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि ने कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। कृषि मेला खरीफ में पहले दिन 46 हजार किसानों ने भाग लिया। शिक्षा निदेशक डा. बलवान सिंह मंडल और अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने मेले में आए हुए किसानों का स्वागत किया।

किसानों ने खरीदे बीज

किसानों ने खरीफ फसलों की उन्नत किस्मों के लगभग 31 लाख 26 हजार के बीज खरीदे। मेले में 25 हजार रुपए के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की 2 लाख 67 हजार रुपए की बिक्री हुई। मेले में 52 हजार 800 रुपए के टिशु कल्चर के पौधे बिके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	18.3.25	5	4-8

कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए उद्यमिता की अपार संभावनाएं : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार, 17 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि मेले का उद्घाटन किया। इस वर्ष मेले का थीम 'कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा' रखा गया है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि उद्यमिता, कृषि क्षेत्र में नया व्यवसाय शुरू करने की एक प्रक्रिया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में कृषि उद्यमिता कारगर सिद्ध हो सकती है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। किसान खेतीबाड़ी के साथ-साथ कृषि उद्यमिता को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकते हैं। कृषि क्षेत्र में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, वर्मी कम्पोस्टिंग, सब्जी उत्पादन, बागवानी, चारा उत्पादन, साइलेज मेकिंग, नर्सरी, बीज उत्पादन, मछली पालन एवं बेकरी में हकृवि से प्रशिक्षण लेकर युवा किसान स्वरोजगार स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने अधिक मुनाफा कमाने के लिए किसानों से उन्नत खेती के तरीके अपनाने के साथ-साथ उत्पाद का प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन करने के अलावा सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिग पर भी ध्यान देने का आह्वान किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों, उद्यमियों, किसानों तथा महिलाओं को कृषि संबंधी नए आइडिया पर स्टार्टअप के लिए 4 से 25 लाख रुपए तक की अनुदान राशि प्रदान करता है। हकृवि के एबिक द्वारा अब तक 250 इंक्यूबेटस को प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है। इसके तहत 65 बेस्ट इंक्यूबेटस को स्टार्टअप करने के लिए 8 करोड़ रुपये से अधिक की ग्रांट दे चुका है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर का मकसद युवाओं को उद्यमिता की तरफ आकर्षित करना है। उन्होंने बताया कि इस सेंटर के माध्यम से प्रशिक्षण एवं अनुदान प्राप्त करके युवाओं ने ना केवल स्वयं का रोजगार स्थापित किया है बल्कि अनेक बेरोजगारों को रोजगार भी उपलब्ध करवाया है। किसानों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किस्म के बीजों एवं कृषि उपकरणों की जानकारी देने एवं खरीद करने के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा 258 स्टालें लगाई गई। मेले में उद्यमी किसानों द्वारा भी 23 स्टालें लगाई गई। कुलपति ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियां की स्टालों का अवलोकन किया। इसके अलावा उन्होंने तीन पुस्तकों का विमोचन करते हुए संबंधित विभागों के वैज्ञानिकों को बधाई दी। इस प्रदर्शनी में कृषि क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के हल के लिए कृषक-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम भी रखा गया, जिसमें कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों ने फसलों से संबंधित समस्याओं के हल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से जाने। कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि ने कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। कृषि मेला खरीफ में पहले दिन हरियाणा व अन्य राज्यों से 46 हजार किसानों ने भाग लिया।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने मेले में आए हुए सभी किसानों का स्वागत किया अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने मेले में आए हुए सभी का धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. भूपेन्द्र ने किया। कुलपति ने नए उन्नत बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी हासिल की। मेले में आगामी खरीफ फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने खरीफ फसलों की उन्नत किस्मों के लगभग 31 लाख 26 हजार के बीज खरीदे। मेले में 25 हजार रूपए के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की 2 लाख 67 हजार रूपए की बिक्री हुई। मेले में 52 हजार 800 रूपए के टिशु कल्चर के पौधे बिके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	18.3.25	3	1-2

कृषि विशेषज्ञ

उत्पादन में बढ़ोतरी होगी, किसानों आर्थिक रूप से मजबूत होंगे

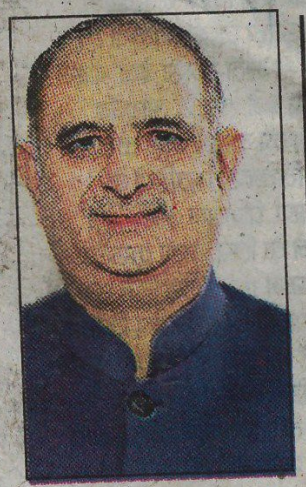

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने राज्य सरकार द्वारा पारित किए गए बजट को किसान हितैषी बजट बताया है। प्रो. काम्बोज ने बताया कि बजट में प्रदेश के सभी जिलों में बीज परीक्षण लैब स्थापित करने की घोषणा की गई है। किसानों को नकली बीज व कीटनाशक के चुंगल से बचाने के लिए इसी सत्र में बिल लेकर आने का प्रस्ताव है। बीज परीक्षण लैब स्थापित होने से किसानों को अपने बीज की गुणवत्ता की जांच करवाने में मदद मिलेगी।गन्ना उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए गन्ने की मशीन से कटाई कराए जाने के लिए हारवेस्टर मशीन पर सब्सिडी दिये जाने का प्रावधान किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	18.3.25	5	1-3

बजट से कृषि उत्पादन में बढ़ौतरी एवं किसानों की आर्थिक स्थिति होगी सुदृढ़ : प्रो. काम्बोज

हिसार, 17 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने राज्य सरकार द्वारा पारित किए गए बजट को किसान हितैषी बजट बताया है।कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने बताया कि बजट में प्रदेश के सभी जिलों में बीज परीक्षण लैब स्थापित करने की घोषणा की गई है। किसानों को नकली बीज व कीटनाशक के चुंगल से बचाने के लिए इसी सत्र में बिल लेकर आने का प्रस्ताव है। बीज परीक्षण लैब स्थापित होने से किसानों को अपने बीज की गुणवत्ता की जांच करवाने में मदद मिलेगी जिससे नकली बीज की समस्या से निजात मिलेगी। गन्ना उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए गन्ने की मशीन से कटाई कराए जाने के लिए हारवेस्टर मशीन पर सब्सिडी दिये जाने का प्रावधान किया गया है इससे गन्ने की कटाई में होने वाले लेबर के खर्चे में कमी आएगी। उन्होंने बताया कि अंबाला, यमुनानगर व हिसार में क्रमश: लीची, स्ट्रॉबेरी और खजूर के लिए तीन नए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित करने का प्रावधान है जिससे किसानों की आय में बढोतरी होगी। महिला किसानों को डेयरी,कृषि बागवानी, पशुपालन एवं मत्स्य पालन के लिए ब्याज मुक्त एक लाख रुपए का ऋण देने का बजट में प्रावधान किया गया है।

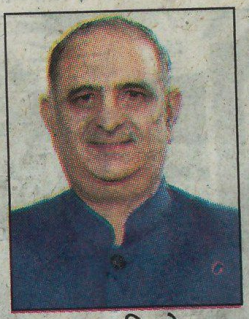

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 के 25000 एकड़ भूमि में प्राकृतिक खेती के लक्ष्य के मुकाबले इस वर्ष एक लाख एकड़ भूमि का लक्ष्य रखा गया है। इससे लोगों को शुद्ध भोजन मिलेगा। मेरा पानी- मेरी विरासत योजना के तहत धान की खेती छोडने वाले किसानों को मिल रही अनुदान राशि 7000 रुपए प्रति एकड़ से बढ़ाकर 8000 रुपए प्रति एकड़ मिलेगी। धान की सीधी बुवाई की अनुदान राशि 4000 रुपए प्रति एकड़ से बढ़ाकर 4500 रुपए प्रति एकड़ किया गया है। इसी प्रकार धान की पराली का प्रबंध करने वाले किसानों का अनुदान 1000 रुपए प्रति एकड़ से बढ़ाकर 1200 रुपए प्रति एकड़ किया गया है। अमरूद के लिए अत्याधुनिक प्रसंस्करण व पैकेजिंग प्लांट स्थापित किया जाएगा जिससे इसके उत्पादन को बढावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए हिसार एयरपोर्ट में एयर कार्गो के लिए एक गोदाम बनाया जाएगा जिससे कृषि क्षेत्र का निर्यात करने में मदद मिलेगी। बजट में किसानों की समृद्धि एवं खुशहाली के लिए की गई घोषणाओं का स्वागत करते हुए उन्होंने बताया कि बजट से प्रदेश के कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी होने के साथ-साथ किसानों की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	18.3.25	1	1-2

बजट से कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी एवं किसानों की आर्थिक स्थिति होगी सुदृढ़ : प्रो. काम्बोज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने राज्य सरकार द्वारा पारित किए गए बजट को किसान हितैषी बजट बताया है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि बजट

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	17.03.2025	--	--

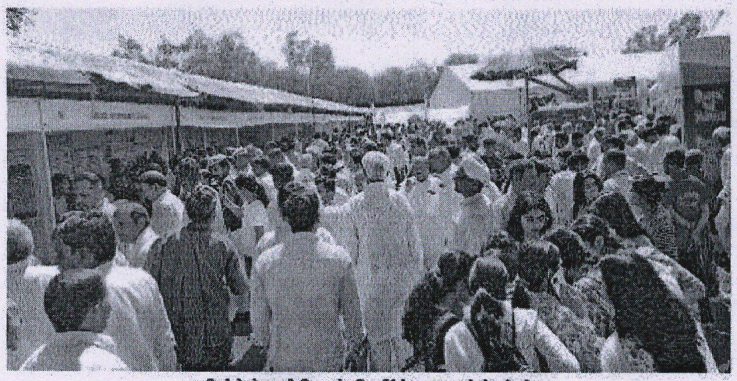

कृषि मेले में उमड़ी किसानों, विद्यार्थियों व अन्य लोगों की भीड़।

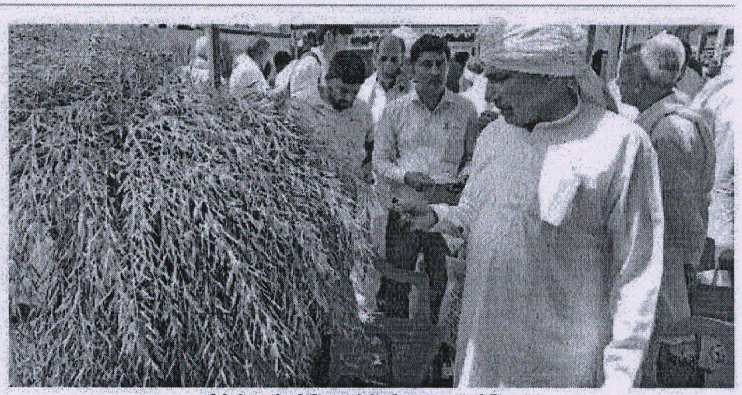

मेले में सरसों की किस्म को देखते हुए एक बुजुर्ग किसान।

कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं : प्रो. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि मेले का उद्घाटन किया। इस वर्ष मेले का थीम 'कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा' रखा गया है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि उद्यमिता, कृषि क्षेत्र में नया व्यवसाय शुरू करने की एक प्रक्रिया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में कृषि उद्यमिता कारगर सिद्ध हो सकती है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। किसान खेतीबाड़ी के साथ-साथ कृषि उद्यमिता को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकते हैं। कृषि क्षेत्र में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, बर्मी कम्पोस्टिंग, सब्जी उत्पादन, बागवानी, चारा उत्पादन, साइलेज मेकिंग, नर्सरी में स्वरोजगार कर सकते हैं।

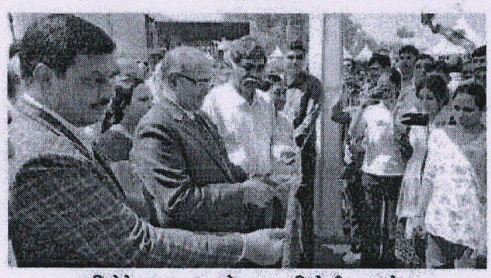

कृषि मेले का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज।

258 स्टालें लगाई गई

किसानों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किस्म के बीजों एवं कृषि उपकरणों की जानकारी देने एवं खरीद करने के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा 258 स्टालें लगाई गई। मेले में उद्यमी किसानों द्वारा भी 23 स्टालें लगाई गई। कुलपति ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियां की स्टालों का अवलोकन किया। इसके अलावा उन्होंने तीन पुस्तकों का विमोचन करते हुए संबंधित विभागों के वैज्ञानिकों को बधाई दी। इस प्रदर्शनी में कृषि क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के हल के लिए कृषक-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम भी रखा गया, जिसमें कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों ने फसलों से संबंधित समस्याओं के हल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से जाने।

पहले दिन लगभग 46 हजार किसानों ने की शिरकत, 35 लाख के बीज व अन्य उत्पाद बिके

कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि ने कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। कृषि मेला खरीफ में पहले दिन हरियाणा व अन्य राज्यों से 46 हजार किसानों ने भाग लिया। मेले में आगामी खरीफ फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने खरीफ फसलों की उन्नत किस्मों के लगभग 31 लाख 26 हजार के बीज खरीदे। मेले में 25 हजार रूपए के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की 2 लाख 67 हजार रूपए की बिक्री हुई। मेले में 52 हजार 800 रूपए के टिशु कल्चर के पौधे बिके। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी व पानी के 200 नमूनों की जांच करवाई। मेले में लगभग 10 हजार रूपए के जैव उर्वरक की बिक्री हुई। किसानों ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई फसलें भी देखीं तथा उनमें प्रयोग की गई प्रौद्योगिकी के साथ-साथ जैविक खेती बारे जानकारी हासिल की।

उद्यमी किसानों की स्टाल बनी आकर्षण का केन्द्र

किसानों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किस्म के बीजों एवं कृषि उपकरणों की जानकारी देने एवं खरीद करने के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा 258 स्टालें लगाई गई। मेले में उद्यमी किसानों द्वारा भी 23 स्टालें लगाई गई। कुलपति ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियां की स्टालों का अवलोकन किया। इसके अलावा उन्होंने तीन पुस्तकों का विमोचन करते हुए संबंधित विभागों के वैज्ञानिकों को बधाई दी। इस प्रदर्शनी में कृषि क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के हल के लिए कृषक-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम भी रखा गया, जिसमें कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों ने फसलों से संबंधित समस्याओं के हल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से जाने।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज	18.03.2025	--	--

कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए उद्यमिता की अपार संभावनाएं: प्रो. बीआर काम्बोज

हिसार । चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि मेले का उद्घाटन किया। इस वर्ष मेले का थीम हाकृषि में उद्यमिता को बढ़ावा रखा गया है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि उद्यमिता, कृषि क्षेत्र में नया व्यवसाय शुरू करने की एक प्रक्रिया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में कृषि उद्यमिता कारगर सिद्ध हो सकती है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। किसान खेतीबाड़ी के साथ-साथ कृषि उद्यमिता को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकते हैं। कृषि क्षेत्र में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, वर्मी कम्पोस्टिंग, सब्जी उत्पादन, बागवानी, चारा उत्पादन, साइलेज मेकिंग, नर्सरी, बीज उत्पादन, मछली पालन एवं बेकरी में हकृवि से प्रशिक्षण लेकर युवा किसान स्वरोजगार स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने अधिक मुनाफा कमाने के लिए किसानों से उन्नत खेती के तरीके अपनाने के साथ-साथ उत्पाद का प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन करने के अलावा सॉर्टिंग, पैकजिंग व ब्रांडिंग पर भी ध्यान देने का आह्वान किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों, उद्यमियों, किसानों तथा महिलाओं को कृषि संबंधी नए आइडिया पर स्टार्टअप के लिए 4 से 25 लाख रुपए तक की अनुदान राशि प्रदान करता है। हकृवि के एबिक द्वारा अब तक 250 इंक्यूबेटस को प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है। इसके तहत 65 बेस्ट इंक्यूबेटस को स्टार्टअप करने के लिए 8 करोड़ रुपये से अधिक की ग्रांट दे चुका है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर का मकसद युवाओं को उद्यमिता की तरफ आकर्षित करना है। उन्होंने बताया कि इस सेंटर के माध्यम से प्रशिक्षण एवं अनुदान प्राप्त करके युवाओं ने ना केवल स्वयं का रोजगार स्थापित किया है बल्कि अनेक बेरोजगारों को रोजगार भी उपलब्ध करवाया है।

किसानों को कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी करने एवं कृषि लागत में कमी लाने के लिए आधुनिक कृषि तकनीकों का उपयोग करना चाहिए। किसान उन्नत किस्म के बीज, सूक्ष्म सिंचाई तथा नवीनतम कृषि उपकरणों का प्रयोग करके अपने उत्पादन में इजाफा कर सकते हैं। मृदा स्वास्थ्य सुधार के लिए मिट्टी की जांच पर आधारित पोषक तत्व डालना व ढैंचा की फसल को हरी खाद के रूप में लगाना तथा मृदा में जैविक खाद का इस्तेमाल व सिफारिश किए गए फसल चक्र को अपनाना जरूरी है। मुख्यातिथि ने कृषि मेला में महिलाओं की अधिक भागीदारी पर खुशी जताई। साथ ही कहा कि वर्तमान समय में कृषि क्षेत्र के अंदर महिलाओं की भूमिका दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। विश्वविद्यालय ने शिक्षा, शोध, विस्तार सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उद्यमी किसानों की स्टाल बनी आकर्षण का केन्द्र, कुलपति ने किया अवलोकन

किसानों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किस्म के बीजों एवं कृषि उपकरणों की जानकारी देने एवं खरीद करने के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा 258 स्टालें लगाई गई। मेले में उद्यमी किसानों द्वारा भी 23 स्टालें लगाई गई। कुलपति ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियां की स्टालों का अवलोकन किया। इसके अलावा उन्होंने तीन पुस्तकों का विमोचन करते हुए संबंधित विधाओं के वैज्ञानिकों को बधाई दी। इस प्रदर्शनी में कृषि क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के हल के लिए कृषक-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम भी रखा गया, जिसमें कृषि

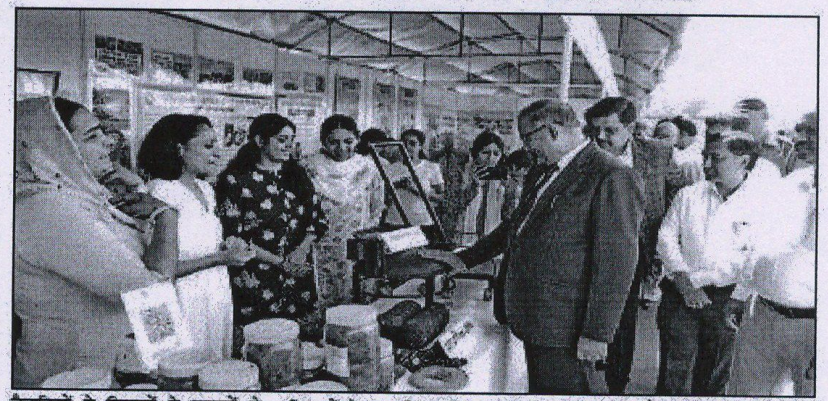

वैज्ञानिकों ने किसानों ने फसलों से संबंधित समस्याओं के हल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से जाने।

पहले दिन लगभग 46 हजार किसानों ने की शिरकत, 35 लाख के बीज व अन्य उत्पाद बिके

कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि ने कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। कृषि मेला खरीफ में पहले दिन हरियाणा व अन्य राज्यों से 46 हजार किसानों ने भाग लिया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने मेले में आए हुए सभी किसानों का स्वागत किया अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने मेले में आए हुए सभी का धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. भूपेन्द्र ने किया।

कुलपति ने नए उन्नत बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी हासिल की। मेले में आगामी खरीफ फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने खरीफ फसलों की उन्नत किस्मों के लगभग 31 लाख 26 हजार के बीज खरीदे। मेले में 25 हजार रूपए के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की 2 लाख 67 हजार रूपए की बिक्री हुई। मेले में 52 हजार 800 रूपए के टिशु कल्चर के पौधे बिके। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी व पानी के 200 नमूनों की जांच करवाई। मेले में लगभग 10 हजार रूपए के जैव उर्वरक की बिक्री हुई। किसानों ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई फसलें भी देखी तथा उनमें प्रयोग की गई प्रौद्योगिकी के साथ-साथ जैविक खेती बारे जानकारी हासिल की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	18.03.2025	--	--

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Main Edition 18-03-2025 - 18 Mar 2025 - Page 5

कृषि विशेषज्ञ

उत्पादन में बढ़ोतरी होगी, किसानों आर्थिक रूप से मजबूत होंगे

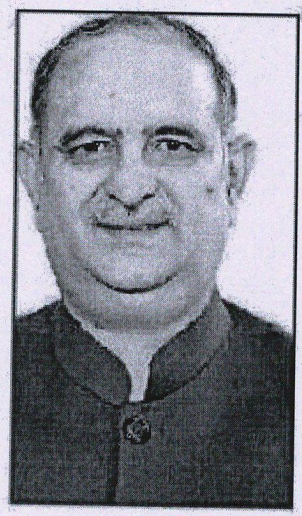

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने राज्य सरकार द्वारा पारित किए गए बजट को किसान हितैषी बजट बताया है। प्रो. काम्बोज ने बताया कि बजट में प्रदेश के सभी जिलों में बीज परीक्षण लैब स्थापित करने की घोषणा की गई है। किसानों को नकली बीज व कीटनाशक के चुंगल से बचाने के लिए इसी सत्र में बिल लेकर आने का प्रस्ताव है। बीज परीक्षण लैब स्थापित होने से किसानों को अपने बीज की गुणवत्ता की जांच करवाने में मदद मिलेगी।गन्ना उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए गन्ने की मशीन से कटाई कराए जाने के लिए हारवेस्टर मशीन पर सब्सिडी दिये जाने का प्रावधान किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	18.03.25	1	8

बजट से कृषि उत्पादन में होगी बढ़ोतरी : प्रो. काम्बोज

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने राज्य सरकार द्वारा पारित किए गए बजट को किसान हितैषी बजट बताया है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि बजट में प्रदेश के सभी जिलों में बीज परीक्षण लैब स्थापित करने की घोषणा की गई है। किसानों को नकली बीज व कीटनाशक के चुंगल से बचाने के लिए इसी सत्र में बिल लेकर आने का प्रस्ताव है। बीज परीक्षण लैब स्थापित होने से किसानों को अपने बीज की गुणवत्ता की जांच करवाने में मदद मिलेगी।